



हिन्दी  
Hindi

# बढ़ती उम्र के साथ प्रतिष्ठा और सम्मान सहित अपने अधिकारों की सुरक्षा

दुर्व्यवहार से वृद्ध व्यक्ति के वित्तीय, भावनात्मक या शारीरिक सुख पर असर हो सकता है।

यह जानबूझ कर किया जा सकता है। यह उस परिस्थिति में भी हो सकता है जब लोग अपने द्वारा उठाए कदमों के परिणामों के बारे में नहीं सोचते हैं और उन्हें यह पता नहीं लगता है इससे वृद्ध व्यक्ति को उनका व्यवहार अभद्र प्रतीत हो रहा है।

यह किसी के साथ भी हो सकता है, भले ही वह व्यक्ति पुरुष हो या महिला हो तथा उसका मूल किसी भी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से हो।

Mistreatment can affect an older person's financial, emotional or physical wellbeing.

It may be deliberate. It can also happen when people don't think about the consequences of their actions and that the older person is experiencing their behaviour as abusive.

This can happen to anyone, from any gender, and from any cultural background.

Ethnic Communities' Council  
of Victoria द्वारा 2017 में प्रकाशित

Published in 2017 by the  
Ethnic Communities' Council  
of Victoria

[www.eccv.org.au](http://www.eccv.org.au)





हम सभी को ये अधिकार है कि वृद्ध होते हुए भी हम अपनी प्रतिष्ठा व सम्मान बनाये रखें। यद्यपि हो सकता है कि इससे परिवार व मित्रों से हमारे संबंध बिगड़ जायें।

किसी को भी अशिष्ट और अप्रिय परिस्थिति स्वीकार करने की आवश्यकता नहीं है। जीवन के दौरान हमें कठिन परिस्थितियों का सामना हो सकता है। यद्यपि ये चुनौतीपूर्ण परिस्थितियाँ हो सकती हैं पर इनके विकल्प उपलब्ध हैं।

आपको सहायता और आपकी ज़रूरतों को सुनने के लिए लोग उपलब्ध हैं।

We all have a right to respect and dignity as we get older. However, relationships with family and friends can go wrong.

No-one needs to accept a disrespectful and unhappy situation. Throughout our life we can be faced with difficult situations. Although this can be daunting, there are choices.

There is help available, and people to listen to what you need.

“मेरी बहू अब मुझसे हर समय मेरे पोते/पोतियों की देखरेख करने को कहती है। उसका कहना है कि यह मेरी अन्य गतिविधियों से अधिक महत्वपूर्ण है। मैं अपने पोते/पोतियों से स्नेह करती हूँ पर मुझे अपने मित्रों/अपनी सहेलियों से न मिलने पर उनकी याद सताती है”

“My daughter in law asks me to look after the grandchildren all the time now. She says it’s more important than my other activities. I love my grandchildren but I miss seeing my friends”

“जब मेरे पति का देहांत हुआ तब मैंने भारत में हमारा घर बेच दिया और अपने बच्चों के साथ रहने के लिए ऑस्ट्रेलिया आ गई। मैंने अपनी सब धन-राशि अपने बेटे को दे दी। अब वह मुझे मेरे ही धन का उपयोग नहीं करने देता।”

“When my husband died I sold our house in India and moved to Australia to be with my children. I gave my son all the money. Now he won’t let me use my money”

“मेरा और मेरे पति का विवाह भारत में हुआ और मैं उनके साथ ऑस्ट्रेलिया आ गई। मेरे पास स्थायी निवास वीजा नहीं है। आजकल मेरा पति मुझपर अक्सर चीखता-चिल्लाता है और मुझे भातर वापिस भेजने की धमकी देता है।”

“My husband and I got married in India and I came to Australia with him. I don’t have permanent residency and he often yells at me and threatens to send me back to India.”

## सहायता के लिए संपर्क: Contact for support

स्थानीय समूह से सम्बन्धित जानकारी यहाँ दी गई है:  
Local group information here:

दुर्व्यवहार का सामना करने वाले वृद्ध लोगों के लिए दुभाषिण के माध्यम से सहायता:

Help through an interpreter for older people experiencing abuse:



1300 368 821



- 60 साल से अधिक की आयु के लोगों के लिए निःशुल्क और गोपनीय परामर्श  
Free and confidential advice for people over 60 years old
- टेलीफोन सेवा या गृह सेवा (होम विज़िट)  
Telephone service or home visits
- अल्पावधि वकालत और मदद  
Short term advocacy and support
- विशेषज्ञ द्वारा निःशुल्क कानूनी सलाह  
Specialist free legal advice

Seniors Rights Victoria को 1300 368 821 पर फोन करें और हिन्दी दुभाषिण का निवेदन करें, और वे आपको वापिस फोन करेंगे।

Call Seniors Rights Victoria on 1300 368 821, ask for Hindi interpreter, and they will call you back